

15/12

9244107

239



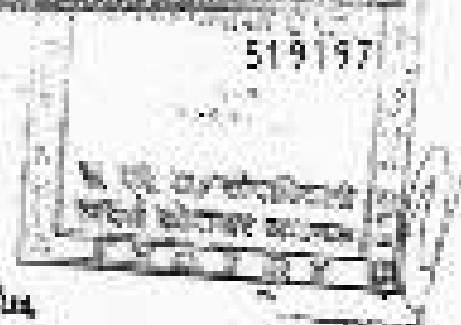
उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

519197



S. P. Singh & Sons, Lucknow, U.P.

Authenticated & genuine



विवरण-पत्र

लोक पत्र का सविस्तर विवरण

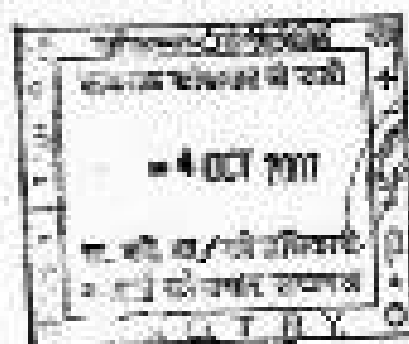
1.	पुनर् का प्रकार	:	पुनर्
2.	प्रकार	:	समाचार
3.	वर्ग	:	समाचार
4.	प्रकाशित का दिनांक (समाप्त)	:	पुनर् प्रकाशित दिनांक- 1971, 1972
5.	प्रकाशित की प्रकृति	:	समाचार
6.	प्रकाशित समाचार का विवरण	:	1971, 1972
7.	प्रकाशित का प्रकार	:	पुनर्
8.	पुनर् का प्रकार	:	पुनर्
9.	पुनर् का प्रकार	:	पुनर्
10.	प्रकाशित की प्रकृति	:	समाचार
11.	प्रकाशित	:	समाचार
12.	प्रकार	:	समाचार

S. P. Singh & Sons, Lucknow, U.P.

Authenticated & genuine



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



-7-

एवं अधिकार नहीं है और न ही कोई व्यक्ति भागीदार है, अब
मजदूरों को बिना किसी भी प्रकार के दबाव के अपने अधिकारों को पूर्ण
स्वाधिकार एवं अधिकारों सहित बिना छोड़े किसी भी प्रकार के
रुद्ध हार्ड व सनकाटन बिना किसी प्रकार के, बल्कि मुझों को
21.92.249/- (अथवा इक्कीस लाख चार सौ साठ हजार दो सौ
उन्नीस मात्र) में प्रेषित उपरोक्त को बच कराई दिया, और कुल
वित्तिय वस्तुओं को तत्काल वसूली के द्वारा प्रेषित उपरोक्त से

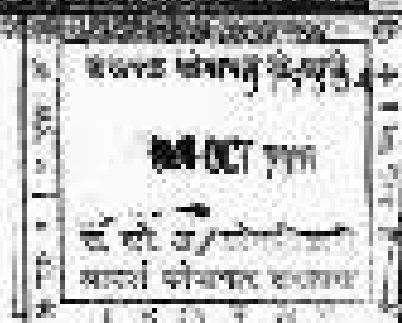
र. र. र.

अध्यापक प्रो. ए. ए. ए.

अध्यापक प्रो. ए. ए. ए.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 8 -

नीचे दिये गये विवरण के अनुसार प्राप्त किये गये व ठहराये गये आदमी ब्यशुदा पर आज की तारीख से जेला उपरोक्त का दायर किये गये दिये, अब विवेका व वास्तविक विवेका को कोई एक व दावा मिलत आदमी ब्यशुदा व विवेक धनराशि के जेला से बाली नहीं रहा, अगर कोई राकस दाना वने तो वह बिलकुल नाजायज रहे, और अगर आदमी ब्यशुदा पूर्व अथवा उसका कोई अंग जेला के स्वामित्व एवं अधिकारों से

महेश

महेश



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 180536



- 10 -

अब सेवा उपरोक्त को पूरा अधिकार है कि वह विज्ञापित आराजी के सम्बन्ध में समस्त राजस्वारी अभिलेखों में अपने नाम शक्ति-कारित करवा लेंगे।

आराजी उपरोक्त में होती होती है, आराजी उपरोक्त में केवल, दस्तखत, कुआँ व इमारत आदि नहीं है। आराजी उपरोक्त के अथ पीछर जिला में कोई निर्माण आदि नहीं है।

२८/१२/७३

Joint Proprietor & Manager

Joint Proprietor & Manager



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 11 -

आराजी उपरोक्त किराई जिले माने जनपदीत माने व
राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नहीं है।

आराजी जिले भाग अहमामऊ, परगना लखनऊ के
अर्धनगरीय क्षेत्र के अर्द्ध विकसित ग्राम को अन्तर्गत आता है जो
नगर निगम सीमा के बाहर स्थित है जिसकी खूब भूमि की
बाजार कीमत 17,50,000/- रुपया प्रति हेक्टेयर की दर से
निर्धारित है लेकिन यहाँ सामान्य खरीददार है इसलिए 25 प्रतिशत

२३/३/२०

आराजी जिला
२३/३/२०

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0 180538

-12-

अंशकत रु० 21,87,500/- प्रति हेक्टेयर होती है जिसके अनुसार
विपरीत भूमि एका 0.291 हेक्टेयर भूमि की बाजार मालियत रु०
6,36,563/- होती है जो कि विलय मूल्य से कम है, अतः
नियमानुसार विलय मूल्य पर जनरल स्टाम्प शुल्क 2,79,300/-
यहाँ अदा किया जा रहे है।

44th Floor, 4th Cross, 4th Avenue, 4th

रा.प्र.देव



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 180539

- 13 -

संश्लेषण आराजी मुख्य मार्ग सुजतानपुर रोड से 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है।

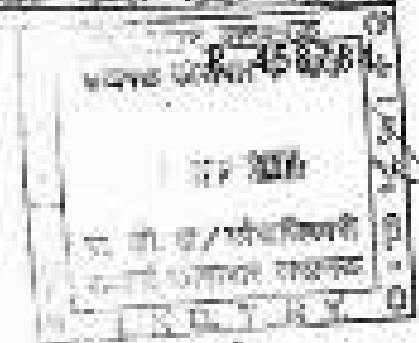
विप्रेरणा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। उक्त आराजी किसी योजना व किसी सरकारी व अथवा सरकारी संस्था द्वारा अंगीकृत नहीं है।

मे. २०१५

Small Print: ...



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 14 -

विवरण भूगण

जिले की रक 21,92,249/- (एक लाख इक्कीस लाख सन्ने
हजार दो सौ अनास मात्र) द्वारा रक संख्या- 555840
दिनांक 10.10.2007 पराब नैसर्गिक रक बांका हजलमंडल,
लखनऊ जिला से प्राप्त हुए।

Signature
[Signature]

महेश्वर

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 (3) के अनुपालन हेतु.

फिजर्स प्रिन्ट्स

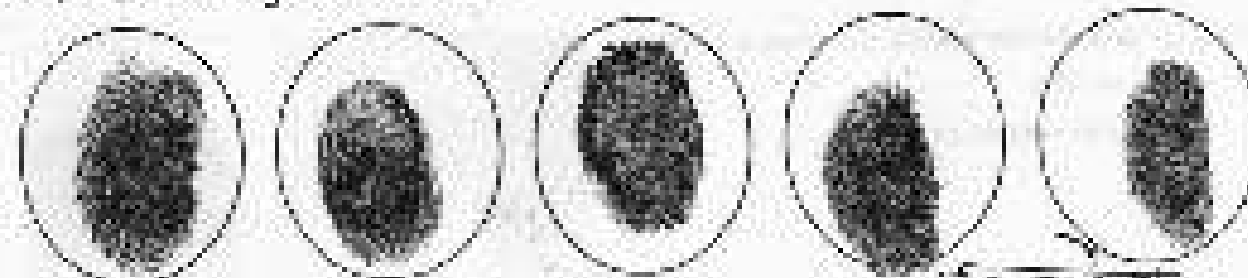
प्रस्तावना / विवेक नाम व पता - सर्वे ४ १९३३ १९३३

१९३३ १९३३

बायें हाथ के अंगुलियों के छिद्र :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के छिद्र :-



१९३३

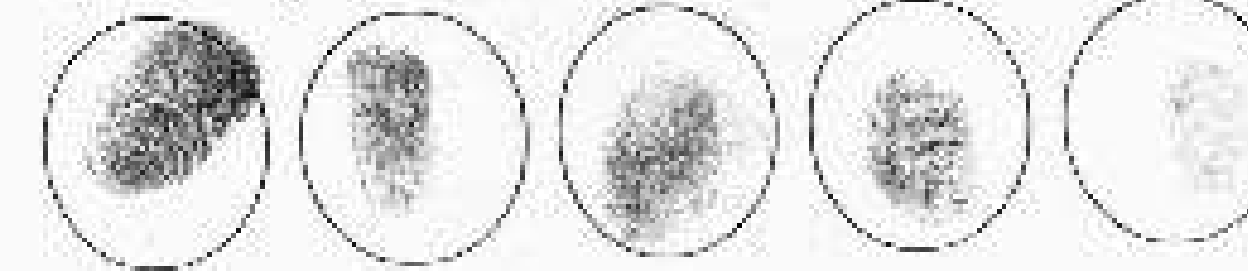
प्रस्तावना / विवेक / प्रमाण के हस्ताक्षर
 विवेक / प्रमाण नाम व पता - सर्वे ४ १९३३ १९३३ १९३३ १९३३ १९३३

१९३३ १९३३ १९३३ १९३३ १९३३ १९३३

बायें हाथ के अंगुलियों के छिद्र :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के छिद्र :-



१९३३ / १९३३

देवा

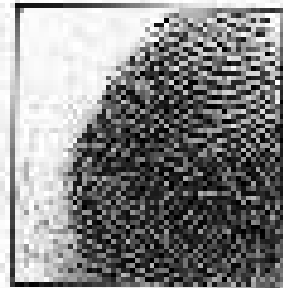
Registration No. 9764

Year: 2007

Page No. 1

0001 - राजस्थान राज्य सरकार द्वारा अधिनियमित किया गया
कृषि कानून (1961)

10 लाख रुपये की राशि
(1961)



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-36-

अपने-अपने हस्ताक्षर करके इसे निष्पादित किया।

नोट : पुस्त संख्या-14 पर पेक संख्या पेन से लिखी है।

दिनांक: 10.10.2007

5/21/20	5/22/20	5/23/20	5/24/20	5/25/20	5/26/20	5/27/20	5/28/20	5/29/20	5/30/20	5/31/20	6/1/20	6/2/20	6/3/20	6/4/20	6/5/20	6/6/20	6/7/20	6/8/20	6/9/20	6/10/20	6/11/20	6/12/20	6/13/20	6/14/20	6/15/20	6/16/20	6/17/20	6/18/20	6/19/20	6/20/20	6/21/20	6/22/20	6/23/20	6/24/20	6/25/20	6/26/20	6/27/20	6/28/20	6/29/20	6/30/20	7/1/20	7/2/20	7/3/20	7/4/20	7/5/20	7/6/20	7/7/20	7/8/20	7/9/20	7/10/20	7/11/20	7/12/20	7/13/20	7/14/20	7/15/20	7/16/20	7/17/20	7/18/20	7/19/20	7/20/20	7/21/20	7/22/20	7/23/20	7/24/20	7/25/20	7/26/20	7/27/20	7/28/20	7/29/20	7/30/20	7/31/20	8/1/20	8/2/20	8/3/20	8/4/20	8/5/20	8/6/20	8/7/20	8/8/20	8/9/20	8/10/20	8/11/20	8/12/20	8/13/20	8/14/20	8/15/20	8/16/20	8/17/20	8/18/20	8/19/20	8/20/20	8/21/20	8/22/20	8/23/20	8/24/20	8/25/20	8/26/20	8/27/20	8/28/20	8/29/20	8/30/20	8/31/20	9/1/20	9/2/20	9/3/20	9/4/20	9/5/20	9/6/20	9/7/20	9/8/20	9/9/20	9/10/20	9/11/20	9/12/20	9/13/20	9/14/20	9/15/20	9/16/20	9/17/20	9/18/20	9/19/20	9/20/20	9/21/20	9/22/20	9/23/20	9/24/20	9/25/20	9/26/20	9/27/20	9/28/20	9/29/20	9/30/20	10/1/20	10/2/20	10/3/20	10/4/20	10/5/20	10/6/20	10/7/20	10/8/20	10/9/20	10/10/20	10/11/20	10/12/20	10/13/20	10/14/20	10/15/20	10/16/20	10/17/20	10/18/20	10/19/20	10/20/20	10/21/20	10/22/20	10/23/20	10/24/20	10/25/20	10/26/20	10/27/20	10/28/20	10/29/20	10/30/20	10/31/20	11/1/20	11/2/20	11/3/20	11/4/20	11/5/20	11/6/20	11/7/20	11/8/20	11/9/20	11/10/20	11/11/20	11/12/20	11/13/20	11/14/20	11/15/20	11/16/20	11/17/20	11/18/20	11/19/20	11/20/20	11/21/20	11/22/20	11/23/20	11/24/20	11/25/20	11/26/20	11/27/20	11/28/20	11/29/20	11/30/20	12/1/20	12/2/20	12/3/20	12/4/20	12/5/20	12/6/20	12/7/20	12/8/20	12/9/20	12/10/20	12/11/20	12/12/20	12/13/20	12/14/20	12/15/20	12/16/20	12/17/20	12/18/20	12/19/20	12/20/20	12/21/20	12/22/20	12/23/20	12/24/20	12/25/20	12/26/20	12/27/20	12/28/20	12/29/20	12/30/20	12/31/20
---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	--------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	---------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------

प्रमाण:-

प्रस्ताव की महत्त्व की

1. $\frac{1}{\sqrt{2}}$ D 1/249

S/o. श्री. चमन लाल
पुष्पाग्राम, जयपुर

प्रस्ताव

विश्वेता की परमाग की

$$2. \sqrt{10} \sqrt{\frac{2}{11}} \sqrt{5}, \sqrt{12} \sqrt{3} \sqrt{5}$$

241 177 527

12/21/21

11

साधना:

(दान संग्रह)

सिक्किम काँट्रोल एजेंसी

यत्नसिद्धिर्भविष्यति:

(सिखायक अन्तराष्ट्रीय)

एकसंयुक्त

15007
7807

Registration No

9244

Hidden

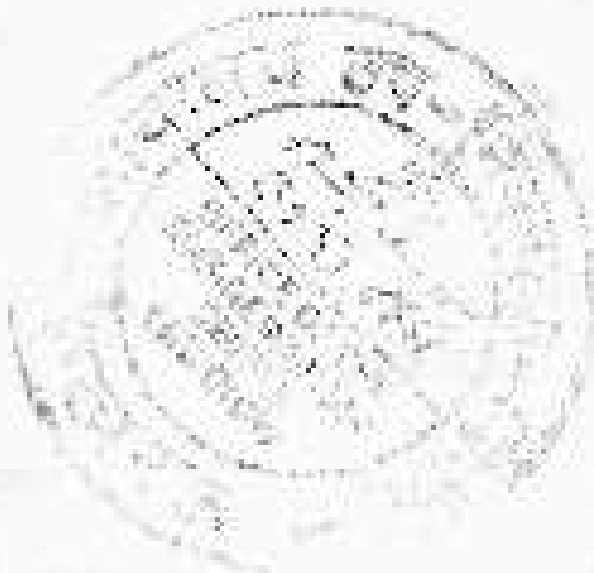
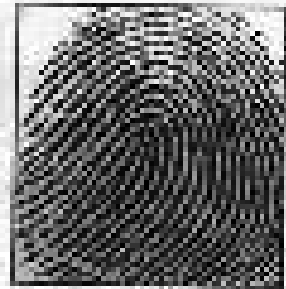
Year : 2007

Bank No

0101 43009

सर्वेक्षण

सर्वेक्षण - १५००७ - ७८०७
७८०७





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 15 -

इस प्रकार कुल बिकरा मूल्य रु० 21,92,249/- (एक लाख इय्याकस लाख बान्बे हजार दो सी लखास मात्र) बिक्रेता ने ब्रेता से वसूल पाया।

लिहाजा यह दस्तावेज बिक्रेता ने अपनी खुशी व राजमन्दी से छूट लीच व सम्भरकर बिना किसी दबाव के, ब्रेता उपरीक्त के पक्ष में लिख दिया ताकि राबन रहे और बयान गरुन्त पर काम आवे।

अतः आज उमय पर्वी ने इस निम्न विलेख पर

उमय पर्वी

सचिव

नक्शा नजरी

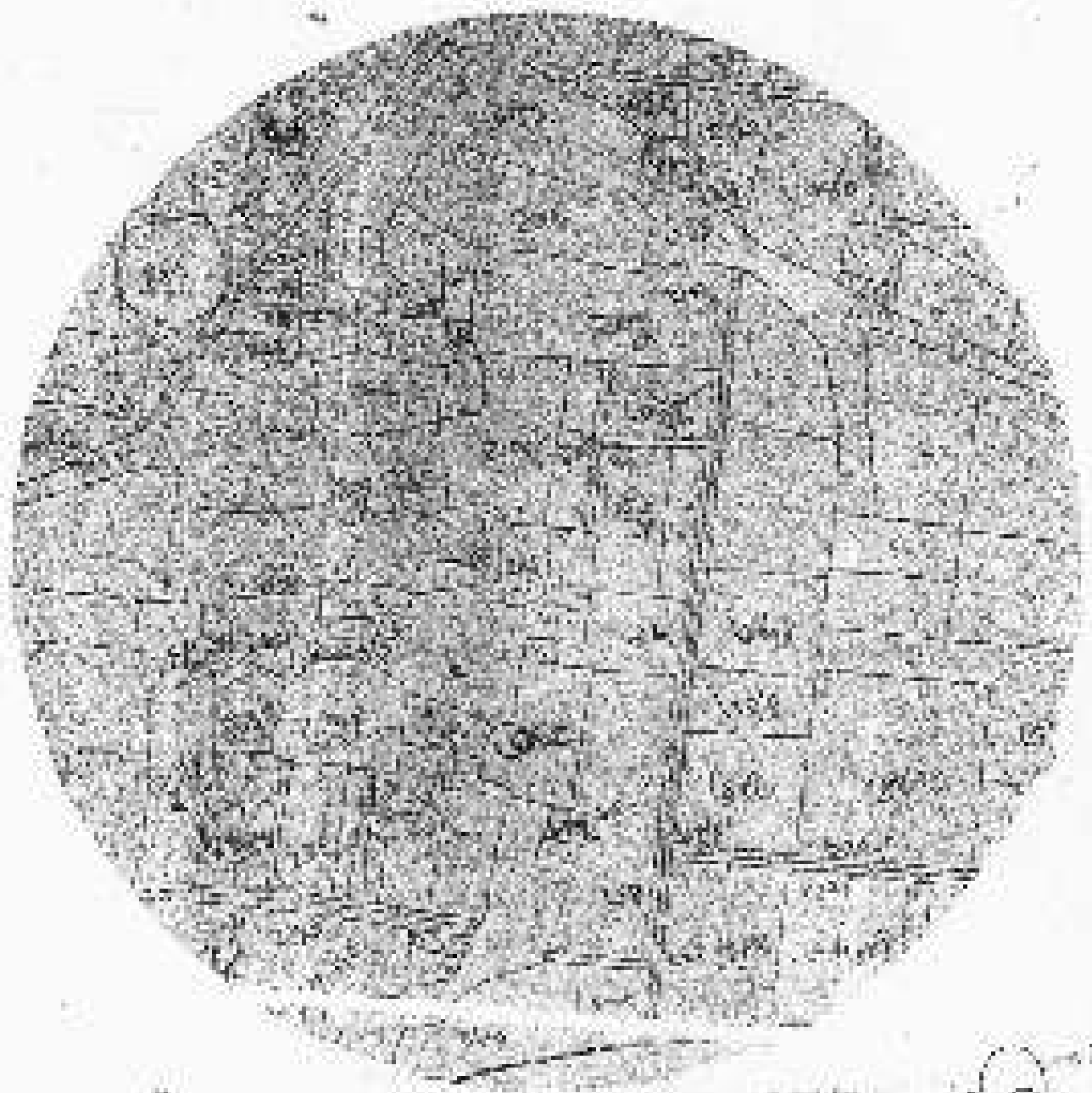
ग्राम : ३४५५३५

सूचका संख्या - 1071, 1092-

सिक्का ० महर्षि ०

प्रमाण : असह्य शक्ति अग्रिम दि०.

विपरीत सम्बन्धित के निकट स्थित सम्बन्धित सम्पत्तियों का विवरण



20/05/19

2014



अज्ञ दिनांक 10/10/2007 को

कक्ष सं 1 तिल सं 6964

पृष्ठ सं 1 वे 36 पं. क्रमांक 9244

पंजीकृत किया गया।



एस.एस.गाला

अज्ञ निबन्धक (द्वितीय)

लखनऊ

10/10/2007

